सर्व भाषा दिवस के रूप में मनायी महाकवि सी. सुब्रमण्यम भारती की जन्म जयंती

मेवाड़ विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग ने महाकवि भारती को प्रदर्शनी लगाकर किया याद

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़ मेवाड़ विश्वविद्यालय, चित्तौड़गढ़ के हिंदी विभाग में महाकवि सी. सुब्रमण्यम भारती के जन्म जयंती को आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष के निमित्त सर्व भाषा दिवस के रूप में मनाया गया। महाकवि भारती एक राष्ट्र - प्रेमी कवि और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। उन्हें अनेक भाषाओं में दक्षता प्राप्त थी। अल्प अवधि में ही उन्होंने अपनी लेखनी के बदौलत बहुत प्रसिद्धि प्राप्त कर ली थी। इस अवसर पर छात्रों ने विविध रूप से भाग लिया, जिसमें उनके कविताओं के पोस्टर और पाठ के अलावा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। संकायाध्यक्ष डा. सोनिया सिंगला ने छात्रों को राष्ट्रीय भावना से जीने का संदेश दिया। महाकवि सी. सुब्रमण्यम भारती का संक्षिप्त जीवन परिचय विभागाध्यक्ष डॉ शुभदा पांडेय ने कहा कि भारत एक बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक देश है जहां इस तरह के सहजीवी वाले जीवन मूल्य ही सर्वोपरि हैं। उन्होंने डा. भारती के साहित्यिक अवदानों पर प्रकाश डाला और कहा कि 1882 तिरुनेलवेली जिले (वर्तमान थूथुकड़ी में एटायापुरम में जन्मे भारती ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा तिरुनेलवली और वाराणसी में की। उन्होंने द हिंदू, बाला भारता, विजया, चक्रवर्ती, स्वदेश मित्रन और भारत सहित कई समाचार पत्रों के साथ एक पत्रकार के रूप में काम किया। सन 1908 में ब्रिटिश भारत सरकार द्वारा भारती के खिलाफ एक गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था, जिसके कारण उन्हें पांडिचेरी जाना पड़ा, जहां वे 1918 तक रहे। तमिल साहित्य पर उनका प्रभाव अभूतपूर्व है। हालांकि यह कहा जाता है कि वह लगभग 32 भारतीय सहित तीन गैर भारतीय भाषाओं में कुशल थे। उनकी पसंदीदा भाषा तमिल थी। वह अपनी शैली में निपूण थे। उन्होंने राजनीतिक सामाजिक और आध्यात्मिक विषयों को कार्य किया। भारती द्वारा रचित गीत और कविताएं अक्सर तमिल सिनेमा में उपयोग की जाती है और दुनिया भर में तमिल कलाकारों के साहित्यिक और संगीतमय प्रदर्शनो की सूची में प्रमुख बन गई है। उन्होंने आधुनिक रिक्त पद के लिए मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कई किताबें और कविताएं लिखी जिसमें तमिल के प्रकृति में सुंदरता का चित्रण किया है। उनकी प्रसिद्ध रचना "चमक रहा है उतुंग हिमालय और "जय गान" आज भी देशभक्ति गीतों के रूप में गाई जाती है। भारत देश के जिसका 11 सितंबर 1921 को मात्र 38 वर्ष की अल्पायु में उनकी मृत्यु हो गई।

सर्व भाषा दिवस के रूप में मनायी महाकवि सी. सुब्रमण्यम भारती की जन्म जयंती

मेवाड़ विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग ने महाकवि भारती को प्रदर्शनी लगाकर किया याद

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़ मेवाड़ विश्वविद्यालय, चित्तौड़गढ़ के हिंदी विभाग में महाकवि सी. सुब्रमण्यम भारती के जन्म जयंती को आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष के निमित्त सर्व भाषा दिवस के रूप में मनाया गया। महाकवि भारती एक राष्ट्र - प्रेमी कवि और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। उन्हें अनेक भाषाओं में दक्षता प्राप्त थी। अल्प अवधि में ही उन्होंने अपनी लेखनी के बदौलत बहुत प्रसिद्धि प्राप्त कर ली थी। इस अवसर पर छात्रों ने विविध रूप से भाग लिया, जिसमें उनके कविताओं के पोस्टर और पाठ के अलावा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। संकायाध्यक्ष डा. सोनिया सिंगला ने छात्रों को राष्ट्रीय भावना से जीने का संदेश दिया। महाकवि सी. सुब्रमण्यम भारती का संक्षिप्त जीवन परिचय विभागाध्यक्ष डॉ शुभदा पांडेय ने कहा कि भारत एक बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक देश है जहां इस तरह के सहजीवी वाले जीवन मूल्य ही सर्वोपरि हैं। उन्होंने डा. भारती के साहित्यिक अवदानों पर प्रकाश डाला और कहा कि 1882 तिरुनेलवेली जिले (वर्तमान थूथुकड़ी में एटायापुरम में जन्मे भारती ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा तिरुनेलवली और वाराणसी में की। उन्होंने द हिंदू, बाला भारता, विजया, चक्रवर्ती, स्वदेश मित्रन और भारत सहित कई समाचार पत्रों के साथ एक पत्रकार के रूप में काम किया। सन 1908 में ब्रिटिश भारत सरकार द्वारा भारती के खिलाफ एक गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था, जिसके कारण उन्हें पांडिचेरी जाना पड़ा, जहां वे 1918 तक रहे। तमिल साहित्य पर उनका प्रभाव अभूतपूर्व है। हालांकि यह कहा जाता है कि वह लगभग 32 भारतीय सहित तीन गैर भारतीय भाषाओं में कुशल थे। उनकी पसंदीदा भाषा तमिल थी। वह अपनी शैली में निपूण थे। उन्होंने राजनीतिक सामाजिक और आध्यात्मिक विषयों को कार्य किया। भारती द्वारा रचित गीत और कविताएं अक्सर तमिल सिनेमा में उपयोग की जाती है और दुनिया भर में तमिल कलाकारों के साहित्यिक और संगीतमय प्रदर्शनो की सूची में प्रमुख बन गई है। उन्होंने आधुनिक रिक्त पद के लिए मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कई किताबें और कविताएं लिखी जिसमें तमिल के प्रकृति में सुंदरता का चित्रण किया है। उनकी प्रसिद्ध रचना "चमक रहा है उतुंग हिमालय और "जय गान" आज भी देशभक्ति गीतों के रूप में गाई जाती है। भारत देश के जिसका 11 सितंबर 1921 को मात्र 38 वर्ष की अल्पायु में उनकी मृत्यु हो गई।

मेवाड़ विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग ने महाकवि भारती को प्रदर्शनी लगाकर किया याद

सर्व भाषा दिवस के रुप में मनायी महाकवि सी. सुब्रमण्यम भारती की जन्म जयंती

(चमकता राजस्थान) चित्तौड़गढ़(अमित कुमार चेचानी)। दिनांक 12/12/2022 को मेवाड़ विश्वविद्यालय, चित्तौड़गढ़ के हिंदी विभाग में महाकवि सी. सुब्रमण्यम भारती के जन्म जयंती को आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष के निमित्त सर्व भाषा दिवस के रुप में मनाया गया। महाकवि भारती एक राष्ट्र - प्रेमी कवि और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। उन्हें अनेक भाषाओं में दक्षता प्राप्त थी। अल्प अवधि में ही उन्होंने अपनी लेखनी के बदौलत बहुत प्रसिद्धि प्राप्त कर ली थी। इस अवसर पर छात्रों ने विविध रुप से भाग लिया, जिसमें उनके कविताओं के पोस्टर और पाठ के अलावा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। संकायाध्यक्ष डा. सोनिया सिंगला ने छात्रों को राष्ट्रीय भावना से जीने का संदेश दिया।